अध्यक्ष महोदय का समापन भाषण

माननीय सदस्यगण,

हल्के नोंक-झोंक से युक्त एक सुखद वातावरण में पांचवें झारखण्ड विधान सभा के पहले तीन दिवसीय सत्र का समापन अब होने जा रहा है । इस सत्र में माननीय राज्यपाल महोदया का अभिभाषण हमलोगों के बीच हुआ । अपने अभिभाषण के माध्यम से उन्होंने झारखण्ड की वर्तमान सरकार की आनेवाली समय की प्राथमिकताओं का उल्लेख करके शासन की दशा और दिशा को दर्शाने का काम किया है । इस अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पारित करके आप सभी ने उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की है, इसके लिए मैं आप सभी के प्रति आभार प्रकट करता हूँ । सभा द्वारा पारित धन्यवाद प्रस्ताव की सूचना माननीय राज्यपाल महोदया को प्रेषित कर दी जायेगी।

इसी सत्र में वर्तमान वित्तीय वर्ष का द्वितीय अनुपूरक बजट प्रस्तुत हुआ और इस पर माननीय सदस्यों ने सार्थक चर्चा की है। चर्चा के दौरान जहाँ कुछ माननीय सदस्यों ने अपने क्षेत्र की समस्याओं का जिक्र किया है वहीं कुछ वरीय माननीय सदस्यों ने सरकार की

प्राथमिकताओं के सम्बन्ध में सारगर्भित सुझाव भी दिए हैं. इस राज्य के सर्वांगीण विकास की दृष्टि से ये सुझाव निस्संदेह अत्यंत महत्वपूर्ण है। मैं सरकार से अपेक्षा करता हूँ कि अपने संसाधन की सीमाओं का आकलन करते हुए आगामी वित्तीय वर्ष के लिए अब वो बजट तैयार करे तो इस पर अमल करने का भी प्रयास करे।

तीन दिनों के इस छोटे से सत्र में मैंने महसूस किया है कि लोकहित से जुड़े कुछ ऐसे मसले हैं जिन पर सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों की भावना एक जैसी है । आनेवाले समय में जनता के हित में इसी प्रकार की वैचारिक एकता हमारे बीच कायम रहे, मैं इसकी भी उम्मीद करता हूँ।

आनेवाले दिनों में मकर संक्रांति, सोहराय और बसंत पंचमी के साथ साथ लोहड़ी का त्योहार भी हम मनायेंगे। इन त्योहारों का उल्लास और इनकी मिठास झारखण्ड के जन-जीवन में अनन्त समय तक कायम रहे, इन्हीं शुभ कामनाओं के साथ मैं सभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने की घोषणा करता हूँ।